DCI-1601030401020200 Seat No. ________

B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

July – 2022

Hindi

(Aadhunik Hindi Kavya : Panchvati Avam Vyakaran)

(Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(२) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं ।

१ कविवर मैथिलीशरण गुप्तजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ पंचवटी खण्डकाव्य काव्य का कथा–सार स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य को प्रतिपादित कीजिए । १४

२ एक सफल खण्डकाव्य के रूप में 'पंचवटी' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

२ 'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है । – इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए । १४

३ पंचवटी खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ पंचवटी खण्डकाव्य का कथानक पौराणिक होते हुए भी आधुनिकता का बोध कराता है – सटीक उत्तर दीजिए । १४

४ टिप्पणी लिखिए : १४

(अ) पंचवटी खण्डकाव्य का शीर्षक ।

(ब) पंचवटी खण्डकाव्य के राम ।

अथवा

४ पंचवटी खण्डकाव्य के आधार पर 'शूर्पणखा' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

५ (अ) संक्षेपण कीजिए : ७

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है । समाज में रहता है । समाज में विभिन्न समस्याएँ है, वह उनसे जूझता है । समाज में जो कुछ घटित होता है, उसीका निरूपण साहित्य में होता है । समाज का कोई भी कोना ऐसा नही है, जो साहित्य से अछूता रह गया हो । कहानी कविता, उपन्यास, नाटक आदि साहित्यिक विधाओं में समाज की झलक अवश्य दिखाई दे जाती है । और साहित्य समाज से अपनी विषय–वस्तु ग्रहण करके आने वाली पीढ़ी के लिए उसे संजोकर रहता है । जो उसकी मार्गदर्शिका बनती है । महाभारत, रामचरितमानस, श्रीमद्‌भागवत तथा गीता आदि तमाम ग्रंथ ऐसे है, जो हमें सत्य–असत्य, ज्ञान–अज्ञान, पाप–पुण्य आदि की शिक्षा देते है । इन ग्रंथों से शिक्षा ग्रहण कर मानव जीवन सफल हो जाता है ।

अथवा

भारत एक विशाल देश हैं । यह कई राज्यों व उपराज्यों में विभाजित है । प्रत्येक राज्य व प्रांत की अपनी–अपनी बोली भाषा संस्कृति एवं सबका समृद्ध साहित्य हैं । उन सभी प्रांतों के साहित्य को भारत में उनके नाम से पुकारा जाता है । जैसे गुजराती साहित्य, मराठी साहित्य, बंगला साहित्य ..... आदि और यही भारत के बहार भारतीय साहित्य की संज्ञा से अभिहित किया जाता है । भारतीय साहित्य वह साहित्य है, जो भारतीय भाषाओं में भारतीय समस्याओं तथा संदर्भो को लेकर लिखा गया हो । वस्तुतः भारत बिन सांप्रदायिक देश है तो वह भाषा के क्षेत्र में भी बिन सांप्रदायिकता को अपनाता है । और किसी भी भाषा से परहेज नही करता । इसलिए भारतीय समस्याओं तथा संदर्भो को लेकर लिखा गया साहित्य भारतीय साहित्य है, भाषा कोई भी हो ।

(ब) पल्लवन कीजिए : ७

जल है, तो कल है ।

अथवा

मन चंगा तो कठौती में गंगा ।